an>

Title: Need to adhere to the guidelines in appointment of police officers in Uttar Pradesh in view of forthcoming Panchayat election.

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : धन्यवाद अध्यक्ष जी। उत्तर प्रदेश में इसी वÂाऩ पंचायत चुनाव होने वाले हैं। पंचायत चुनावों से ही ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष चुने जाते हैं, जो विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण कड़ी हैं। केन्द्र सरकार द्वारा विकास के लिए जो धन विभिन्न योजनाओं में दिया जाता है, उसका क्रियान्वयन भी इन संस्थाओं के प्रमुखों द्वारा किया जाता है। इस समय सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि इस समय वहां की राज्य सरकार येन-केन-प्रकारेण इस संस्थाओं पर कब्जा करने के प्रयास में है और

इसके लिए उन्होंने आरक्षण में गड़बड़ियां करना शुरू कर दिया है। इसके साथ उन्होंने अपने लोगों को बैठाने के लिए विशेÂाकर एक ही वर्ग, एक ही जाति के लोगों की थानों में नियुक्ति कर दी है। मैं तो समझता हूं कि किसी एक जिले को देखा जाए तो 60 प्रतिशत तक एक ही जाति-वर्ग के अपने निजी लोगों को दारोगा नियुक्त किया जा रहा है। यह बहुत ही गंभीर विÂाय है। ऐसे ही सीओ भी नियुक्त किए जा रहे हैं, प्रशासनिक अधिकारी भी नियुक्त किए जा रहे हैं और यहां तक कि लोक सेवा आयोग के जो पद हैं, जिनमें अध्यक्ष का भी पद है, वहां भी एक ही जाति के लोगों को भर्ती किया जा रहा है। अभी पुलिस में 40 हजार लोगों की भर्ती की गई है, जिनमें से 29500 लोग एक ही जाति के भर्ती किये गये हैं।

माननीय अध्यक्ष : भैरों प्रसाद मिश्र जी, आप सभी मैंटर्स उठा रहे हैं। ऐसा नहीं होता है।

श्री भैरों प्रसाद मिश्र: अध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहता हूं कि यह बहुत ही गंभीर विÂाय है। इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है। वहां लोगों को उन थानेदारों के माध्यम से डराया जा रहा है, धमकाया जा रहा है उन थानेदारों के माध्यम से, जिससे कि लोग उनके लोगों को वोट दे सकें।

इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि प्रदेश में जो भी नियुक्तियां हों, उनकी जांच कराई जाए। तीन जिलों - इटावा और कन्नौज के एक ही जाति के 14000 लोगों की भर्ती की गई है। इस सबकी जांच कराई जाए और जो नियुक्तियां की गई हैं, उनमें हर वर्ग के लोगों को प्रतिनिधित्व मिले। पहले हमेशा ऐसा होता था कि हर वर्ग के लोगों को, हर जाति के लोगों को थानों में नियुक्त किया जाता था। इसी हिसाब से थानों में नियुक्ति होनी चाहिए और जो नियुक्तियां की गई हैं, उन्हें रद्द करके ऐसी कारगर व्यवस्था की जाए, जिससे कि पंचायत चुनाव निÂापक्ष रूप से सम्पन्न हो सकें। इसके लिए केंद्रीय बल भी जाए और इन नियुक्तियों की जांच भी की जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर प्रÂापेन्द्र सिंह चन्देल को श्री भैरों प्रसाद मिश्र द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।